

Afwo Darguzar ke Fazail (Gujarati)

# અફ્વો દરગુઝર કે ફઝાઈલ



## મઅ એક અહમ્મ મ-દની વસિયત



- ફતાવા ર-ઝવિયા શરીફ સે અહમ્મ ઇકતિબાસાત
- દા'વતે ઇસ્લામી સે ટિછડલે વાલોં કે લિલે  
ઇલામે હુજવત
- યા અલ્લાહ તૂ ગવાહ રહના
- ગીબત કે તિલાફ ઓ'લાલે વંગ
- મુઆફી તલાફી કર લીજિયે
- મ-દની ઇતિખા
- દુઆએ નિસ્ફે શા'બાનુલ મુઅઝ્ઝમ

કોમે તનોકત સમીરે રહલે સુલ્તન બકિમીએ દા'વતે ઇસ્લામી હુઝરત અહમ્મ મીવાલા અબૂ ટિલાલ

**મુહમ્મદ ઇલ્યાસ અતાર કાદિરી ર-ઝવી**

**મક-ત-હુલુલ મદીના**  
(સ.ક.વો. સુવત્ત-૧૦)



ફિલોસોફ હાલિફ, અલિફ કી મસિદ કે સામને, ટોલ દરવાઝ, અહમ્મદાબાદ-૧ મુમ્બઇ, ઇન્ડિયા  
Ph:91-79-25391168 E-mail:maktabehind@gmail.com, www.dawateislami.net

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ ۙ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ ۙ  
 اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ ۙ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ۙ

**अइव व एर गुजर की इजीलत मथ**

**ओक अहम्म म-दनी वस्मियत**

शैतान लाभ सुस्ती दिलाअे येह रिसाला (31 स-इहात) मुकम्मल पढ  
 लीजिये صَلَّى اللّٰهُ تَعَالَى عَلَيْكَ आप का दिल धन इजाएल को पाने के लिये बेचैन  
 हो जायेगा.

**दुर्द शरीफ की इजीलत**

सरकारे मदीनअे मुनव्वरह, सरदारे मक्कअे मुकर्रमा

صَلَّى اللّٰهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ का इरमाने अ-र-कत निशान है : औ लोगो ! बेशक  
 अरोजे कियामत उस की दइशतो और हिसाब किताब से जलद नजात  
 पाने वाला शप्स वोह होगा जिस ने तुम में से मुज पर दुन्या के अन्दर  
 अ कसरत दुर्द शरीफ पढे होंगे.

(इरदौसुल अप्बार, जि. 5, स. 375, हदीस : 8210)

**صَلُّوا عَلٰى الْحَبِيْبِ ! صَلَّى اللّٰهُ تَعَالَى عَلٰى مُحَمَّد**

## म-दनी आका صلى الله تعالى عليه وآله وسلم का अइव व दर गुजर

उजरते सय्यिदुना अनस رَضِيَ اللهُ تَعَالَى عَنْهُ का बयान है के मैं नबिये करीम, रउिहुर्रहीम أَفْضَلُ الصَّلْوةِ وَالتَّسْلِيمِ के हमराह यल रहा था और आप صلى الله تعالى عليه وآله وسلم अेक नजरानी यादर ओढे हुअे थे जिस के कनारे मोटे और पुरदरे थे. अेक दम अेक बदवी (या'नी अरब शरीफ के देहाती) ने आप صلى الله تعالى عليه وآله وسلم की यादरे मुबारक को पकड कर ँतने उबर दस्त उटके से पीया के सुस्ताने उमन, महुबूबे रबुबे लुल मिनन عَزَّوَجَلَّ وَصَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ की मुबारक गरदन पर यादर की कनार से भराश आ गँ, वोह कलने लगा अद्लाह عَزَّوَجَلَّ का जो माल आप صلى الله تعالى عليه وآله وسلم के पास है, आप صلى الله تعالى عليه وآله وسلم हुकम दीजिये के उस में से मुजे कुछ मिल जाअे. रलमते आलम صلى الله تعالى عليه وآله وسلم ने जब उस बदवी की तरफ तवज्जुह इरमाँ तो कमाले हिल्म व अइव से उस की तरफ देप कर मुस्करा दिये और उस को कुछ माल अता इरमाने का हुकम सादिर इरमाया.

हर जता पर मेरी यश्म पोशी, हर तलब पर अताओं की बारिश

मुज गुनहगार पर किस कदर हूँ, मेहरबां ताजदारे मदीना

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيَّ مُحَمَّد

भीठे भीठे ईस्लामी भाईयो ! देखा आप ने म-दनी आका

صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيَّ وَالِاهِ وَسَلَّمَ ने बदवी से कैसा दुस्ने सुलूक इरमाया, भीठे मुस्तफ़ा

صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيَّ وَالِاهِ وَسَلَّمَ के दीवानो ! ज्वाड कोई आप को कितना डी सताये, दिल्

दुभाये ! अइव व दर गुजर से काम लीजिये और उस के साथ मडब्बत

भरा सुलूक करने की कोशिश इरमाईये.

“मदीना” के पांय उरुइ की निस्बत से अइव व दर

गुजर के 5 इजाईल

(1) हिसाब में आसानी के तीन अस्बाब

उजरते सय्यिदुना अबू हुरैरा رَضِيَ اللَّهُ تَعَالَى عَنْهُ से मरवी है के

तीन बातें जिस शप्स में होंगी اَصْلًا اَحَدٌ (कियामत के दिन)

उस का हिसाब बहुत आसान तरीके से लेगा और उस को अपनी

रहमत से जन्नत में दाखिल इरमायेगा. (1) जो तुम्हें मडरूम करे

તુમ ઉસે અતા કરો ઓર (2) જો તુમ સે કત્એ તઅલ્લુક કરે તુમ ઉસ સે મિલાપ કરો ઓર (3) જો તુમ પર ઝુલ્મ કરે તુમ ઉસ કો મુઆફ કર દો. (અલ મો'જમુલ ઓસત, જિ. 4, સ. 18, હદીસ : 5064)

## (2) મુઆફ કરને સે ઇઝ્ઝત બઢતી હૈ

ખા-તમુલ મુર-સલીન, રહ્મતુલ્લિલ આ-લમીન

صلى الله تعالى عليه وآله وسلم کا فرمانے رحمت نیشان ہے : “સ-દકા દેને સે માલ કમ નહીં હોતા ઓર બન્દા કિસી કા કુસૂર મુઆફ કરે તો અલ્લાહ عَزَّوَجَلَّ ઉસ કી ઇઝ્ઝત હી બઢાએગા ઓર જો અલ્લાહ عَزَّوَجَلَّ કે લિયે તવાઝોઅ (યા'ની આજિઝી) કરે, અલ્લાહ عَزَّوَجَلَّ ઉસે બુલન્દ ફરમાએગા.”

(સહીહ મુસ્લિમ, સ. 1397, હદીસ : 2588)

## (3) મુઅઝ્ઝત કૌન ?

હઝરતે સય્યિદુના મૂસા કલીમુલ્લાહ الصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ وَ عَلِيٍّ نَبِيِّنَا وَعَلَيْهِ الصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ ને અર્ઝ કી : “એ રબ્બે આ'લા عَزَّوَجَلَّ ! તેરે નઝદીક કૌન સા બન્દા ઇઝ્ઝત વાલા હૈ ?” ફરમાયા : “વોહ જો બા વુજૂદે કુદરત મુઆફ કર દે .”

(શુ-અબુલ ઈમાન, જિ. 6, સ. 319, હદીસ : 8327)

#### (4) दुन्या व आभिरत के अइजल अप्लाक

उजरते सय्यिदुना उकबा बिन आमिर رَضِيَ اللهُ تَعَالَى عَنْهُ कहते हैं के मैं ने सुल्ताने बहरो बर, सरवरे जीशान, महबूबे रहमान عَزَّوَجَلَّ وَصَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ की मुलाकात का शरइ पाया तो जल्दी से दुजुरे अन्वर صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ का दस्ते मुनव्वर थाम लिया और आप صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने मेरे हाथ को जल्दी से पकड़ लिया. फिर इरमाया : “अै उकबा ! दुन्या व आभिरत के अइजल अप्लाक येह हें के तुम उस को मिलाओ जे तुम्हें जुदा करे और जे तुम पर जुल्म करे उसे मुआइ कर दो और जे येह याहे के उम्र में दराजी और रिज्क में कुशा-दगी हो, वोह अपने रिशते वालों के साथ सिला (या'नी अय्हा सुलूक) करे.”

(अल मुस्तदरक बिल हाकिम, जि. 5, स. 224, हदीस : 7367)

#### (5) मुआइ करो मुआइ पाओ

सारकारे मदीनाअे मुनव्वरह, सारदारे मक्काअे मुकर्रमा صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ का इरमाने आलीशान है : “रइम किया करो तुम पर रइम किया जाअेगा और मुआइ करना इप्तिवार करो

अल्लाह तुम्हें मुआफ़ इरमा देगा.”

(अल मुस्नद लिल इमाम अहमद, जि. 2, स. 682, हदीस : 7062)

हम ने जता में न की तुम ने अता में न की

कोई कभी सरवरा तुम पे करोड़ों दुइद

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

कातिलाना हमले की कोशिश करने वाले को मुआफ़

इरमा दिया

अेक सइर में नबिये मुअज्जम, रसूले मोहतरम, सरापा

जूदो करम صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ आराम इरमा रहे थे के गौरस बिन

हारिस ने आप صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ के कतल के इरादे से आप

की तलवार ले कर नियाम से भीय ली, जब सरकारे

नामदार صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ नींद से बेदार हुअे तो “गौरस” कलने

लगा : “अै मुहम्मद ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ अब कौन है जो आप

को मुज से बया लेगा ?” आप صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ

ने इरमाया : “अल्लाह”. नुबुव्वत की हैबत से तलवार उस के हाथ

से गिर पडी और सरकारे आली वकार صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने तलवार

हाथ मुबारक में ले कर इरमाया : “अब तुम्हें मेरे हाथ से कौन बयाने वाला है ?” गौरस गिडगिडा कर कइने लगा : “आप صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ही मेरी जान बयाँये.” रहमते आलम صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने उस को छोड दिया और मुआफ़ इरमा दिया. युनान्ये “गौरस” अपनी कौम में आ कर कइने लगा के अै लोगो ! मैं अैसे शप्स के पास से आया हूं जो तमाम दुन्या के ईन्सानों में सब से बेइतर है.

(अशिशइा, जि. 1, स. 106, 107)

सलाम उस पर के जिस ने भूं के प्यासों को कबाओं दीं  
 सलाम उस पर के जिस ने गालियां सुन कर दुआओं दीं  
 صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ عَلَى مُحَمَّدٍ  
 दन्दाने अकदस शहीद करने वाले के लिये दुआओ  
 डिदायत

जंगे उहुद में उल्बा बिन अभी वक्कास ने मदीने के सुल्तान, रहमते आ-लमियान, सरवरे जीशान صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ के दन्दाने मुबारक को शहीद कर दिया और अब्दुल्लाह बिन कमीअह ने येहरअे अन्वर को ज़म्मी और भून आलूद कर दिया मगर आप صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने



उन लोगों के लिये इस के सिवा कुछ न इरमाया के  
 اَللّٰهُمَّ اِهْدِ قَوْمِيْ فَاِنَّهُمْ لَا يَعْلَمُوْنَ! मेरी कौम को  
 छिदायत दे क्यूंके येह लोग मुजे जानते नहीँ. (अैजन, जि. 1, स. 105)

सोया किये ना बकार बन्दे

रोया किये जार जार आका

صَلُّوْا عَلٰى الْحَبِيْبِ ! صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّدٍ

जादू करने वाले से दर गुजर

लबीद बिन आ'सम ने सरकारे मदीना, राहते कलभो सीना,  
 कैज गन्धना, साहिबे मुअत्तर पसीना صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ पर जादू किया  
 और ब जरीअअे वइय उस का सारा डाल मा'लूम हुवा मगर आप  
 صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने उस से कुछ मुवा-भजा नहीँ इरमाया (या'नी  
 पूछगछ नहीँ की). (अैजन, जि. 1, स. 107)

क्यूं मेरी भताओं की तरफ देभ रडे डो

जिस को हे मेरी लाज वोह लजपाल बडा हे

صَلُّوْا عَلٰى الْحَبِيْبِ ! صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّدٍ

## ਕਿਤਨੀ ਆਰ ਮੁਆਝ ਕੜ੍ਹ ?

ਅੱਕ ਸ਼ਯਸ ਆਰਗਾਫੇ ਰਿਸਾਲਤ ਮੇਂ ਫਾਜ਼ਿਰ ਫੁਵਾ ਔਰ ਅੜ ਕੀ : “ਯਾ ਰਸੂਲਲਲਾਹ صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ! ਮੇਂ ਅਪਨੇ ਆਫਿਮ ਕੋ ਕਿਤਨੀ ਆਰ ਮੁਆਝ ਕੜ੍ਹ ?” ਆਪ صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ਆਮੋਸ਼ ਰਫੇ. ਉਸ ਨੇ ਫੋਭਾਰਾ ਅੜ ਕੀ : “ਯਾ ਰਸੂਲਲਲਾਹ صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآਲِهِ وَسَلَّمَ ! ਮੇਂ ਅਪਨੇ ਆਫਿਮ ਕੋ ਕਿਤਨੀ ਆਰ ਮੁਆਝ ਕੜ੍ਹ ?” ਈਸਾਫਿ ਝਰਮਾਯਾ : “ਫਰ ਰੋਝ ਸਤਰ<sup>70</sup> ਆਰ.”

(ਸੁ-ਨਨੁਤਿਰਮਿਝੀ, ਝਿ. 3, ਸ. 381, ਫਫੀਸ : 1956)

## ਗਾਲਿਯੋਂ ਭਰੇ ਖੁਤੂਤ ਪਰ ਆ'ਲਾ ਫਝਰਤ ਕਾ ਅਝਵ ਵ ਫਰ ਗੁਝਰ

ਕਾਸ਼ ! ਫਮਾਰੇ ਅਨਫਰ ਯੇਫ ਝਝਭਾ ਪੈਫਾ ਫੋ ਝਝੇ ਕੇ ਫਮ ਅਪਨੀ ਝਾਤ ਔਰ ਅਪਨੇ ਨਝਸ ਕੀ ਆਫਿਰ ਗੁਸਸਾ ਕਰਨਾ ਫੀ ਫ਼ੋਫ ਫੇਂ. ਝੈਸਾ ਕੇ ਫਮਾਰੇ ਖੁਝੁਗੀਂ ਕਾ ਝਝਭਾ ਫੋਫਾ ਥਾ ਕੇ ਉਨ ਪਰ ਕੋਈ ਕਿਤਨਾ ਫੀ ਝੁਲਮ ਕਰੇ ਯੇਫ ਫਝਰਾਤ ਉਸ ਝਾਲਿਮ ਪਰ ਭੀ ਸਝਕਤ ਫੀ ਝਰਮਾਫੇ ਥੇ. ਯੁਨਾਨਯੇ “ਫਯਾਫੇ ਆ'ਲਾ ਫਝਰਤ” ਮੇਂ ਫੈ, ਮੇਰੇ ਆਕਾ ਆ'ਲਾ ਫਝਰਤ, ਈਮਾਮੇ ਅਫਫੇ ਸੁਨਨਤ, ਮੌਲਾਨਾ ਸ਼ਾਫ ਈਮਾਮ ਅਫਮਫ ਰਝਾ ਆਨ رَحْمَةُ الرَّحْمَنِ ਕੀ

ਖਿਦਮਤ ਮੇਂ ਐਕ ਆਰ ਜਭ ਤਾਕ ਪੇਸ਼ ਕੀ ਗਏ ਤੋ ਆ'ਝ ਖੁਤੂਤ ਮੁਗਲਵਲਾਤ (ਯਾ'ਨੀ ਗਨ੍ਹੀ ਗਾਲਿਯੋਂ) ਸੇ ਆਰਪੂਰ ਥੇ. ਮੋ'ਤਕਿਫੀਨ ਆਰਫਮ ਫੁਐ ਕੇ ਫਮ ਈਨ ਕੇ ਖਿਲਾਫ਼ ਮੁਕਦਮਾ ਫਾਓਰ ਕਰੇਂਗੇ. ਈਮਾਮੇ ਅਫਲੇ ਸੁਨਨਤ ਮੌਲਾਨਾ ਸ਼ਾਫ਼ ਈਮਾਮ ਅਫਮਫ ਰਝਾ ਖਾਨ عَلَيْهِ رَحْمَةُ الرَّحْمٰن ਨੇ ਈਸ਼ਾਫਿ ਫ਼ਰਮਾਯਾ : “ਜੋ ਲੋਗ ਆ'ਰੀਫ਼ੀ ਖੁਤੂਤ ਲਿਖਤੇ ਹੈਂ ਪਫਲੇ ਊਨ ਕੋ ਜ਼ਾਗੀਰੇਂ ਤਕਸੀਮ ਕਰ ਫੋ, ਫ਼ਿਰ ਗਾਲਿਯਾਂ ਲਿਖਨੇ ਵਾਲੋਂ ਪਰ ਮੁਕਦਮਾ ਫਾਓਰ ਕਰ ਫੋ.” (ਫਯਾਤੇ ਆ'ਵਾ ਫਝਰਤ, ਜ਼ਿ. 1, ਸ. 143, 144, ਮੁਲਖਖਸਨ, ਮਕਤਭਐ ਨ-ਭਵਿਯਾ, ਮਕਤੁਲ ਐਲਿਯਾ ਲਾਫੋਰ) ਮਤਲਭ ਯੇਫ ਕੇ ਜਭ ਆ'ਰੀਫ਼ ਕਰਨੇ ਵਾਲੋਂ ਕੋ ਤੋ ਈਆਮ ਫੇਤੇ ਨਫੀ ਫ਼ਿਰ ਖੁਰਾਏ ਕਰਨੇ ਵਾਲੋਂ ਸੇ ਭਫਲਾ ਕਯੂੰ ਲੇਂ !

ਅਫਮਫ ਰਝਾ ਕਾ ਆਝਾ ਗੁਲਿਸ਼ਤਾਂ ਹੈ ਆਝ ਆੀ

ਖੁਰਸ਼ੀਫੇ ਈਲਮ ਊਨ ਕਾ ਫਰਖ਼ਸ਼ਾਂ ਹੈ ਆਝ ਆੀ

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

ਐਕ ਅਫਮਮ ਮ-ਫਨੀ ਵਸਿਯਤ

ਮੀਫੇ ਮੀਫੇ ਈਲਾਮੀ ਆਏਯੋ ! ਮੇਰੀ ਊਮਰ ਆ ਫਮੇ ਆਫਰੀਰ ਆਕਰੀਭਨ 60 ਆਰਸ ਫੋ ਯੁਕੀ ਹੈ, ਮੌਤ ਲਮਫਾ ਭ ਲਮਫਾ ਕਰੀਭ ਆ ਰਫੀ

હૈ, ન જાને કબ આંખ બન્દ હો જાએ. અલ્લાહુ રહમાન ﷻ કે દરબારે વાલા શાન મેં સલામતિયે ઈમાન ઓર નઝૂઅ વ કબ્રો હશર મેં અમ્નો અમાન, બે હિસાબ બખ્શિશ ઓર જન્નતુલ ફિરદૌસ મેં મ-દની સરકાર ﷻ કે જવાર કા તલબગાર હૂં. મેં ને અપની મુખ્તસર સી ઝિન્દગી મેં દુન્યા કે બહુત નશીબો ફરાઝ દેખે હૈં, ઈખ્લાસ કમ ઓર દિખાવા કસીર, વફા કમ ઓર પુશામદ ખતીર (યા'ની ઝિયાદા) હૈ, ઈસ સે બઢ કર ભી ક્યા બે વફાઈ હોગી કે વોહ માં બાપ જિન્હોં ને હઝાર એહસાનાત કિયે હોતે હૈં મગર ઉન કી કોઈ એક મા'મૂલી સી બાત ભી ના ગવાર ગુઝર જાતી હૈ તો સારે એહસાનાત ભુલા કર, ના ખલફ ઔલાદ ઉન કો લાત માર દેતી હૈ ! આહ ! શૈતાને મક્કાર વ અચ્ચાર ને કુલૂબ વ અઝહાન મેં બહુત ઝિયાદા ખરાબિયાં ડાલ દી હૈં.

ﷻ 'વતે ઈસ્લામી મેં લાખોં લાખ મુસલ્માન શામિલ હૈં મગર ઈન મેં સે રૂઠ ટૂટ કર કુછ અફરાદ કો અલગ હોતે ભી પાયા હૈ, મ-દની માહોલ સે દૂરી કે બા'દ બા'ઝોં કી બે અ-મલિયોં કા સિલ્સિલા ભી સામને આયા હૈ, બા'ઝ નારાઝ ઈસ્લામી ભાઈયોં ને અપના અપના જુદાગાના

“ग्रूप” भी बनाया है, बा’जों ने मेरे खिलाफ बहुत कुछ कहा, लिखा और दा’वते ईस्लामी की भी जो बर कर मुआ-ल-इतें की हैं मगर **لَا تَقْرَأُ الْقُرْآنَ** यह लिखने तक दा’वते ईस्लामी बराबर तरक्की के मनाजिल तै कर रही है और कोई भी ग्रूप ब जाहिर अब तक दा’वते ईस्लामी से आगे बढना कुजा बराबरी भी नहीं करने पाया. मैं ने तन्जीमी कामों में जिन्दगी का काई हिस्सा गुजारा है, लिहाजा अपने तजरिबात की रोशनी में तमाम ईस्लामी आँयों और ईस्लामी बहनों की बिदमतों में मद्दज आबिरत की बलाई के पेशे नजर हाथ जोड कर म-दनी वसियत करता हूँ : मेरी यह बात हमेशा के लिये गिरेह में बांध लीजिये के मेरे जोते जो भी और मेरे मरने के बाद भी दा’वते ईस्लामी में अक बार शुमूलियत कर लेने के बाद दा’वते ईस्लामी का तशब्बुस (म-सलन सज्ज ईमामा शरीफ लिबास वगैरा) रभते हुअे तरीकअे कार से हट कर हरगिज किसी किस्म का “मु-तवाजी ग्रूप” मत बनाईयेगा, दीन के काम के हवाले से भी अगर आप ने अपना कोई अलग सिद्धिला शुअ किया तो गीबतों, तोहमतों, बद गुमानियों,

दिल आजारियों आपस की दुश्मनियों, बाहमी नफरतों वगैरा वगैरा से जुद्ध को बयाना करीब करीब ना मुम्किन हो जायेगा बल्के हो सकता है के बे शुमार मुसल्मान इस तरह की आइतों की लपेट में आ जायें। अगर कोई येह समझे के दा'वते इस्लामी से जुदा होने के बा'द अलग ग्रूप बना कर मैं ने तो कुलां कुलां दीन का बहुत भारी काम सर अन्जाम दिया है, तो मैं उस की तवज्जोह इस तरफ दिवाना यालूंगा के वोह येह गौर कर ले के जुदा होने के बाईस कहीं गीबतों वगैरा गुनाहों की नुहूसतों में तो नहीं इंसा था ? अगर नहीं इंसा था तो सद करोड मुबारक ! और अगर इंसा था तो फिर जमीर ही से पूछ ले के मेरे कुलां कुलां मुस्तलब दीनी कामों का वज्ज्न जियादा या इन दीनी कामों के जिन्न में जिन गीबतों वगैरा हराम चीजों का सुदूर हुवा उन का वज्ज्न आईद ? अगर दिल पौके जुदा **جُذِّبَ** का हामिल हुवा, इल्मे दीन का इजान रहा और जमीर जिन्दा पाया तो येही जवाब मिलेगा के यकीनन जिन्दगी भर के मुस्तलब कामों के मुकाबले में सिर्फ अक बार की हुई

गुनाह भरी गीबत ही जियादा वज्नी है के मुस्तहब काम न करने पर अजाब की कोई वईद नहीं जब के गीबत पर अजाब का ईस्तिस्काक है. मा'लूम हुवा अेक बार दा'वते ईस्लामी में शामिल हो जाने के बा'द निकलने या निकाले जाने के बा'द जुदागाना ग्रूप बनाने में **من حيث المجموع** (या'नी मजमूई हैसियत से) नुकसान ही का पडलू गालिब है.

### इतावा र-जविय्या के अहम्म ईकितबासात

अगर सय पूछिये अैसा दीनी काम जिस से मुसल्मानों में नफरत की कैफियत जनम लेने लगे और उस का करना इर्ज, वाजिब या सुन्नते मुअक्कदा न हो तो उस काम को तर्क करना ही मुनासिब है अगर्थे अइजल व मुस्तहब हो. ★ युनान्थे अेक मकाम पर मेरे आका आ'ला हजरत **عَلَيْهِ السَّلَامُ** मुसल्मानों के ईत्तिहाद की अहम्मियत को उजागर करने के लिये नकल इरमाते हैं : “लोगों की तालीकें कल्बी (या'नी दिलजूई) और उन को मुजतमअ (मुत्तहिद) रबने के लिये अइजल को तर्क करना ईन्सान के लिये जार्ज है ताके लोगों को नफरत

ਨ ਡੋ ਝਝੇ ਝੈਸਾ ਕੇ ਨਭਿਯੇ ਕਰੀਮ, ਰਹਿਝੁਰ੍ਹਈਮ *عليه أفضل الصلوة والتسليم* ਨੇ  
 ਭੈਤੁਲਵਾਡ ਸ਼ਰੀਝ ਕੀ ਈਮਾਰਤ ਕੋ ਈਸ ਲਿਯੇ ਡਝਰਤੇ ਸਯਿਝੁਨਾ ਈਝਰਾਈਮ  
 ਖਲੀਲੁਲਵਾਡ *علي نبينا وعليه الصلوة والسلام* ਕੀ ਝੁਨ੍ਯਾਈਠੋਂ ਪਰ ਕਾਈਮ ਰਖਾ ਤਾਕੇ  
 ਨੌ ਮੁਸਲਿਮ ਡੋਨੇ ਕੀ ਵਝਡ ਸੇ ਅਡਡੇ ਕੁਰੈਸ਼ ਉਸ ਕੀ ਨਈ ਝੁਨ੍ਯਾਈਠੋਂ ਪਰ ਕੀ  
 ਝਝੇ ਵਾਲੀ ਤਾ'ਮੀਰ ਕੋ ਨਝਰਤ ਕੀ ਨਿਗਾਡ ਸੇ ਨ ਡੇਖੇਂ. ਤੋ ਆਪ  
*صلى الله تعالى عليه وآله وسلم* ਨੇ ਈਝਤਿਮਾਅ (ਈਜ਼ਿਡਾਡ) ਕੋ ਕਾਈਮ ਰਖਨੇ ਕੀ ਮਸਲਡਤ  
 ਕੋ ਮੁਕਡਮ ਸਮਝਾ." (ਝੁਤਾਵਾ ੨-ਝਵਿਯਾ ਮੁਖਰ੍ਹਝ, ਝਿ. 7, ਸ. 680) ★ ਤਝਝੀਰੇ  
 ਮੁਸਲਿਮੀਨ (ਯਾ'ਨੀ ਮੁਸਲਮਾਨੌਂ ਕੋ ਨਝਰਤ ਮੇਂ ਮੁਝੁਲਾ ਕਰਨੇ) ਸੇ ਭਯਨੇ ਕੇ  
 ਲਿਯੇ ਝਝਰਤਨ ਮੁਸੁਤਡਭ ਕੋ ਤਰ੍ਕ ਕਰ ਡੇਨੇ ਕਾ ਡੁਕਮ ਡੈ. ਝੈਸਾ ਕੇ ਮੇਰੇ ਆਕਾ  
 ਆ'ਲਾ ਡਝਰਤ *حَمَّةُ اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ*; ਮੁਸਲਮਾਨੌਂ ਕੇ ਡਰਮਿਯਾਨ ਘ੍ਯਾਰ ਵ ਮਡਝਭਤ  
 ਕੀ ਝਝਾ ਕਾਈਮ ਰਖਨੇ ਕਾ ਐਕ ਮ-ਡਨੀ ਉਸੂਲ ਭਯਾਨ ਕਰਤੇ ਡੁਐ ਝਰਮਾਤੇ  
 ਡੂੰ: "ਈਝਯਾਨੇ ਮੁਸੁਤਡਭ ਵ ਤਰ੍ਕੇ ਗੈਰੇ ਐਲਾ ਪਰ ਮੁਡਾਰਾਤੇ ਖਲ੍ਕ ਵ ਮੁਰਾਆਤੇ  
 ਕੁਲੂਭ ਕੋ ਅਡਮਮ ਝਝੇ ਐਰ ਝਿਤਨਾ ਵ ਨਝਰਤ ਵ ਈਝਾ ਵ ਵਡਸ਼ਤ ਕਾ  
 ਭਾਈਸ ਡੋਨੇ ਸੇ ਭਡੁਤ ਭਯੇ." (ਝੁਤਾਵਾ ੨-ਝਵਿਯਾ ਮੁਖਰ੍ਹਝ, ਝਿ. 4, ਸ. 528)  
 ★ ਮੇਰੇ ਆਕਾ ਆ'ਲਾ ਡਝਰਤ *حَمَّةُ اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ*; ਸ਼ਰੀਅਤੇ ਮੁਤਡੁਲਰਾ ਕਾ



काँईदा बयान करते हुअे इरमाते हें :

رُزْءُ الْمَفَاسِدِ أَكْثَرُ مِنْ جَلْبِ الْمَصَالِحِ या'नी पराबियों के अस्बाब  
दूर करना ખूबियों के अस्बाब हासिल करने से अहम्म है.

(इतावा २-अविय्या मुपर्रजा, जि. 9, स. 551)

### जिस ने तशप्पुस तब्दील कर लिया !

रहे वोह हजरात जो दा'वते इस्लामी का तशप्पुस तर्क कर  
युके और बिला इजाजते शर-ई दा'वते इस्लामी की किसी किस्म की  
मुष्हा-लइत ली नहीं करते और गीबतों, तोहमतों और बद् गुमानियों  
वगैरा में पडे बगैर अपनी तरकीब से दीनी खिदमात अन्जाम दे रहे  
हैं, अल्लाह तआला उन की काविशों को कबूल इरमाअे. मगर वोह  
जो तशप्पुस तब्दील कर के अलग ग्रूप बनाने के भा'द बिला इजाजते  
शर-ई दा'वते इस्लामी की मुष्हा-लइत कर के नेकी की दा'वत को आम  
करने वाली इस म-दनी तहरीक को कमजोर करने की मजमूम कोशिशों  
में मस्इइ हों, इस मकसद के लिये गीबतों, तोहमतों, ओहतान  
तराशियों, बद् गुमानियों, औब दरियों, बुरे यरयों, इल्लाम तराशियों

और युग्लियों को अपना हथियार बना लें और एसे अपने जो'मे फ़ासिद में दीन की बहुत बड़ी बिदमत तसव्वुर करें, अैसों को संभल ज़ाना याहिये के येह दीन की बिदमत नहीं, एन्तिहाएँ द-रजे की मज़मूम ह-र-कत है बलके शरअन एँन ना ज़ाँज कामों का एरतिकाब कर के अपने नामअे आ'माल को गुनाहों से पुर करना है. यूँही ज़े तशब्बुस अर करार रभते हुअे बी बिला एँज्जते शर-एँ द्वा'वते एँस्लामी की मुआ-लफ़त करेगा और लोगों को मु-तनफ़्फ़र कर के (या'नी नफ़रत दिला कर) द्वा'वते एँस्लामी और एँस के तरीकअे कार को नुकसान पहुँचाना एँस का मकसद हुोगा वोह बी फ़े'ले ना ज़ाँज का मुर-तकिब ठहरेगा.

### बुरा यरया करना हुराम है

दुआ येह गया है के जब कोएँ शप्स किसी की मुआ-लफ़त पर उतर आता है तो प्वाह म प्वाह एँस पर तन्कीदें करता, बाल की बाल उतारता और एँस की आभियों या अताओं का बुरा यरया करता फिरता है (मगर जिसे अल्लाह **كُفِّرْهُ** अयाअे). जब एँन की आपस में

બનતી થી તો ઈસે ગોયા ઉસ કે પસીને મેં સે ભી ખુશ્બૂ આતી થી અબ બા'દે મુખા-લફત ઉસ કા ઈત્ર ભી બદબૂદાર લગતા હૈ. યાદ રખિયે ! કિસી મુબલ્દિગ ઓર ખુસૂસન બિલ ખુસૂસ સુન્ની આલિમ કી કિસી ખામી યા ખતા કો બિલા મસ્લહતે શર-ઈ કિસી પર ઝાહિર કરના યા લોગોં મેં ઉસ કા બુરા ચરયા કરના નેકી કી દા'વત ઓર ઈસ્લામ કી તબ્લીગ કે કામ કે મુઆ-મલે મેં બહુત, બહુત ઓર બહુત નુકસાન દેહ ઓર આખિરત મેં બાઈસે અઝાબ હૈ, મેરે આકા આ'લા હઝરત, ઈમામે અહલે સુન્નત, મૌલાના શાહ ઈમામ અહમદ રઝા ખાન عَلَيْهِ رَحْمَةُ الرَّحْمٰن ફતાવા ર-ઝવિયા જિલ્દ 29 સફહા 594 પર ફરમાતે હૈં : “ઓર અહલે સુન્નત સે બ તકદીરે ઈલાહી જો ઐસી લઝિશે ફાહિશ વાકેઅ હો ઉસ કા ઈખ્ફા (યા'ની છુપાના) વાજિબ હૈ કે لَا يَحِلُّ لَكَ લોગ ઉન સે બદ એ'તિકાદ હોંગે તો જો નફ્અ ઉન કી તકરીર ઓર તહરીર સે ઈસ્લામ વ સુન્નત કો પહુંચતા થા ઉસ મેં ખલલ વાકેઅ હોગા. ઈસ કી ઈશાઅત, ઈશાઅતે ફાહિશા (યા'ની બુરા ચરયા કરના) હૈ. ઓર ઈશાઅતે ફાહિશા બ નસ્સે કુરઆને અઝીમ હરામ, કાલલ્લાહુ તઆલા:

إِنَّ الَّذِينَ يُحِبُّونَ أَنْ تَتَّبِعَ الْفَاحِشَةَ

तर-ज-मअे कन्जुल धिमान : वोड

लोग ज़े याडते हैं के मुसल्मानों में

فِي الَّذِينَ أَمْنُو لَهُمْ عَذَابُ أَلِيمٌ ۝

भुरा यरया झैले उन के लिये ददनाक

فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ ۝

अज्जअ है दुन्या और आभिरत में.

(पारड : 18, अन्नूर : 19)''

(इतावा २-जविध्या, जि. 29, स. 594)

दा'वते धस्लामी से बिछडने वालों के

लिये धत्माभे लुज्जत

जो आज तक मुज से नाराज हो कर या मर्कजी मजलसे शूरा

से रूठ कर जुदा हो गअे, उन में से जिन जिन की मेरी वजह से किसी

किस्म की हक त-लझी हूध हो उन से हाथ जोड कर मुआझी का तलभगार

हूं, दोनों गुलाम जादे और निगरान व अराकीने शूरा भी मुआझी

मांग रहे हैं, मुझे और धन्हें भुदा व मुस्तझ. عَزَّوَجَلَّ وَصَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ

के लिये मुआझ मुआझ और मुआझ इरमा दें. हम सभ ने भी रिज्जअे

भुदा व मुस्तझ. عَزَّوَجَلَّ وَصَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ के लिये उन सभ को

जिन्हों ने उक त-लकियां की हों उन को मुआइ किया. नाराज हो कर या इप्तिवाइ कर के जिन्हों ने अपनी अपनी तन्जीमें काईम की, जुदागाना ग्रूप बनाओ उन सत्नी को फुले हिल से दा'वत देता हूं के अल्लाह व रसूल اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَالِهِ وَسَلَّمَ का वासिता मुज से सुलह इरमा लें, महुज रिजाओ इलाही عَزَّوَجَلَّ की फातिर, मैं हर नाराज मुसल्मान से गैर मशरूत तौर पर भी सुलह के लिये तय्यार हूं. हां जो तन्जीमी इप्तिवाइत को मुजाकरात के जरीओ हल कर के सुलह करना याहते हैं उन के लिये भी मेरे और दा'वते इस्लामी की मर्कजी मजलिसे शूरा के दरवाजे फुले हैं, जल्दी राबिता कीजिये और मर्कजी मजलिसे शूरा के साथ बैठ जाईये. अगर आप हुकम इरमाओगे तो मुझिना सूरत में إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ शूरा के साथ साथ मैं भी बैठ जाउंगा. आईये, आ जाईये, अल्लाहु रब्बुल इज्जत عَزَّوَجَلَّ की रहमत और ताजदारे रिसालत اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَالِهِ وَسَلَّمَ की निगाहे इनायत से शैतान के उथकन्डों को नाकाम बनाते हैं, إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ मिल जुल कर दीन का फूज म-दनी काम करेंगे.

अल्लाह करे दिल में उतर जाओ मेरी बात  
 صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ا صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

या अल्लाह غَزَّوَجَلَّ तू गवाह रहना

या रब्बे मुस्तफ़ा! غَزَّوَجَلَّ وَصَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ تू गवाह

रहना मैं ने अपने बिछोड़े हुआ इस्लामी भाईयों के लिये सुलह का पैगाम मुश्तलर कर दिया है. ओ मेरे प्यारे प्यारे अल्लाह! मेरे नाराज इस्लामी भाईयों के दिलों में मुज भिस्कीन के लिये रहुम डाल दे के वोह मुझे मुआफ़ी की लीक दे कर मुज से सुलह कर लें, या अल्लाह! तू मेरे दिल के डाल से बा जबर है के इस सुलह की दर-ज्वास्त में मेरा अस्ल मकसद सिर्फ़ सिर्फ़ और सिर्फ़ उज्ज्वी मफ़ाद है, मैं मरने से पहले पहले इकत तेरी रिजा के लिये दर नाराज मुसल्मान से सुलह करना और अपने इठे हुआ इस्लामी भाईयों को मना लेना याहता हूं. या अल्लाह! मैं तेरी जुफ़या तदबीर से बहुत उरता हूं, ओ मेरे प्यारे परवर्द गार! तू कभी ली मुज से नाराज न होना, मेरे पाक परवर्द गार! मेरा इमान अक लम्हे के करोडवें डिस्से के लिये ली कभी मुज से जुदा न हो, या अल्लाह! मेरी और मेरे

रूठे हुअे तमाम ईस्लामी लाईयों समेत दर दा'वते ईस्लामी वाले और वाली की बे हिसाब बज्जिश इरमा. या अल्लाह **عَزَّوَجَلَّ** ! अपने प्यारे उबीब **صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ** के सदके सारी उम्मत की मग़्दिरत इरमा. या अल्लाह **عَزَّوَجَلَّ** ! हमारी सङ्गों में ईत्तिलाह पैदा इरमा. या अल्लाह **عَزَّوَجَلَّ** ! हमें जेह्नी हम आहन्नी नसीब इरमा, या अल्लाह **عَزَّوَجَلَّ** ! हमें अेक साथ मिल कर ईप्लास के साथ तेरे दीन की ब्दमत की सआदत ईनायत इरमा.

أَمِينٌ بِجَاهِ النَّبِيِّ الْأَمِينِ صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ

सुन्नतें आम करें दीन का हम काम करें

नेक डो जाअें मुसल्मान मदीने वाले

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

تَوَجُّبُوا إِلَى اللهِ ! أَسْتَغْفِرُ اللهَ

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

गीबत के बिलाइ अे'लाने जंग

आह ! "गीबत" ने उम्मत की अकसरियत को निहायत

शिदत के साथ अपनी हिरासत में लिया हुवा है, शैतान गीबत के

ઝરીએ ભરપૂર તરીકે પર લોગોં કો જહન્નમ કી તરફ ધકેલતા ચલા જા રહા હૈ. હોશ મેં આઈયે ! ગીબત કે ખિલાફ એ'લાને જંગ કર કે એક દમ મોરચે પર ડટ જાઈયે ! જિસ જિસ ને અબ તક જિસ કદર ગીબતેં કી હોં ઉન કી તૌબા ઓર મુઆફી તલાફી મેં લગ જાએ, અઝ્મે મુસમ્મમ કીજિયે કિ “ન ગીબત કરેંગે ન સુનેંગે” اِنَّ اَللّٰهَ عَزَّوَجَلَّ અફસોસ સદ કરોડ અફસોસ ! ગીબત હમારે મ-દની માહોલ કો દીમક કી તરહ ચાટ રહી હૈ લિહાઝા દા'વતે ઈસ્લામી કે તમામ જિમ્મેદાર ઈસ્લામી ભાઈયોં ઓર ઈસ્લામી બહનોં કી ખિદમતોં મેં મેરી હાથ જોડ કર “મ-દની ઈલ્તિજા” હૈ કે ગીબત કે ખિલાફ એ'લાને જંગ કે જિમ્ન મેં ગીબતોં કે દરવાઝોં પર તાલે લગાતે ચલે જાઈયે, અબ તક જો ભી આપ કી જિમ્મેદારી કે દૌરાન મ-દની માહોલ સે દૂર હુએ, ઉન કે મુઆ-મલે મેં 112 બાર ગૌર કર લીજિયે કે કહીં ઐસા તો નહીં કે ઉનહોં ને આપ કી ગીબતેં કી હોં ઓર આપ કો ગુસ્સા આ જાને કી વજહ સે યા ખુદ આપ ને ઉન કી ગીબતેં કી હોં ઈસ સબબ સે વોહ દિલ બરદાશતા હો કર ઘર જા બૈઠે હોં. અગર ઐસા હૈ તો અચ્છી અચ્છી નિચ્ચતેં કર કે બરાએ રિઝાએ રબ્બે અકબર اَكْبَرُ ફૌરન સે પેશતર મગર બુલા કર નહીં,



પુદ ઉન કે પાસ જા કર હાથ જોડ કર પાઉં પકડ કર ઐ કાશ ! રો રો કર મુઆફી તલાફી કી તરકીબ બના કર ઉન્હેં મના કર રાઝી કર કે ગલે લગા લીજિયે. બલકે હર બિછડે હુએ કો તલાશ કર કે ઉન કે પાસ ભી પુદ જા કર હાથ બાંધ કર, મિન્નત વ સમાજત કર કે ઉન્હેં દોબારા મ-દની માહોલ મેં લે આઈયે ઓર ઈન્ફિરાદી કોશિશ કે ઝરીએ ઉન સભોં કો ફિર સે સુન્નતોં કી ખિદમતોં મેં મસ્ફૂફ કર દીજિયે. (જિન પર તન્જીમી ઝિમ્મેદારી નહીં વોહ ભી ઈસી તરહ કરેં, હાં જિન પર તન્જીમી પાબન્દી લગી હો ઉન કો મત છોરિયે, ઉન કે બારે મેં બડે ઝિમ્મેદારાન જો તન્જીમી ફેસલા કરેં ઉન પર અમલ કીજિયે)

ઐ ખાસએ ખાસાને રુસુલ વક્તે દુઆ હૈ

ઉમ્મત પે તેરી આ કે અજબ વક્ત પડા હૈ

છોટોં મેં ઈતાઅત હૈ ન શફકત હૈ બડોં મેં

પ્યારોં મેં મહબ્બત મેં હૈ ન યારોં મેં વફા હૈ

જો કુછ હેં વોહ સબ અપને હી હાથોં કે હેં કરતૂત

શિક્વા હૈ ઝમાને કા ન કિસ્મત કા ગિલા હૈ

दोषे हें येह दिन अपनी ही गइलत की बढौलत

सय है के बुरे काम का अन्जाम बुरा है

हम नेक हें या बढ हें फिर आपिर हें तुम्हारे

निस्बत बहुत अच्छी है अगर डाल बुरा है

तदबीर संभलने की हमारे नहीं कोई

हां अेक दुआ तेरी के मकभूले जुदा है

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

नाजुक कैसेले

भीठे भीठे ईस्लामी भाईयो ! शबे बराअत (शा'बानुल मुअज़्ज़म की पन्धरहवीं रात) की अ-जमत के क्या कहने ! मगर येह रात नाजुक भी है ! ईस रात न जाने किस की किस्मत में क्या लिख दिया जाअे, आह ! बा'ज अवकात बन्दा गइलत में पडा रह जाता है और उस के बारे में कुछ का कुछ डो युका डोता है. युनान्थे गुन्यतुत्तालिबीन में है :

“बहुत से कइन धुल कर तय्यार रभे डोते हें मगर कइन पहनने वाले बाजारों में धूम फिर रहे डोते हें. बहुत से लोग जैसे डोते

हैं के उन की कब्रें खुदी हुई तय्यार होती हैं मगर उन में दफन होने वाले ખુशियों में मस्त होते हैं, बहुत से लोग हंस रहे होते हैं डालां के उन की उलाकत का वक्त करीब आ युका होता है. बहुत से मकानात की ता'भीर का काम मुकम्मल होने वाला होता है मगर मालिके मकान की मौत का वक्त भी करीब आ युका होता है."

(गुन्यतुत्तालिबीन, जि. 1, स. 251)

आगाड अपनी मौत से कोई बशर नहीं  
सामान सो बरस का है पल की बबर नहीं

**अदावत वाले की शामत**

उजरते सय्यिदुना मुआज्ज बिन जबल رَضِيَ اللهُ تَعَالَى عَنْهُ से रिवायत है, सुल्ताने मदीनअे मुनव्वरड, शहन्शाहे मक्कअे मुकर्मा صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ इरमाते हैं : "शा'बान की पन्डरहवीं शब में अल्लाड عَزَّوَجَلَّ तमाम मण्लूक की तरफ तजल्ली इरमाता है और सब को बप्श देता है मगर काफिर और अदावत वाले को (नहीं बप्शता)."

(अल ओडसान बि तरतीब सहीड ईब्ने डब्बान, जि. 7, स. 470, उदीस : 5636)

## મુઆફી તલાફી કર લીજિયે

મીઠે મીઠે ઇસ્લામી ભાઈયો ! જિન દો મુસલમાનોં મેં કોઈ દુન્યવી અદાવત હો તો ચાહિયે કે શબે બરાઅત આને સે પહલે પહલે મુઆફી તલાફી કર લેં તાકે મગ્ફિરતે ઇલાહી **عَزَّوَجَلَّ** ઉનહેં ભી શામિલ હો. અહાદીસે મુબારકા કી બિના પર **بِحَمْدِهِ تَعَالَى** મદીનતુલ મુશિદ બરેલી શરીફ મેં મેરે આકા આ'લા હઝરત **عَلَيْهِ سَلَّمَ** ને યેહ તરીકા મુકરર ફરમાયા થા કે 14 શા'બાનુલ મુઅઝ્ઝમ કો રાત આને સે પહલે મુસલમાન આપસ મેં મિલતે ઔર એક દૂસરે સે કુસૂર મુઆફ કરવાતે થે. મ-દની ઇતિજા હૈ કે હર જગહ ઇસ્લામી ભાઈ ભી ઐસા હી કરેં ઔર ઇસ્લામી બહનેં ભી ફોન વગૈરા કે ઝરીએ આપસ મેં મુઆફી તલાફી કર લેં.

## પયામે આ'લા હઝરત

શબે બરાઅત કરીબ હૈ, ઇસ રાત તમામ બન્દોં કે આ'માલ હઝરતે ઇઝ્ઝત **عَزَّوَجَلَّ** મેં પેશ હોતે હેં. મૌલા **عَزَّوَجَلَّ** તુફૈલે હુઝૂરે પુરનૂર, શાફેએ યૌમુન્નુશૂર **أَفْضَلُ الصَّلَاةِ وَالتَّسْلِيمِ** મુસલમાનોં કે ઝુનૂબ (ગુનાહ)

ਮੁਆਝ ਝਰਮਾਤਾ ਹੈ ਮਗਰ ਯਨ੍ਦ ਈਨ ਮੈਂ ਵੋਫ ਏ ਮੁਸਲਮਾਨ ਝੋ ਆਫਮ  
 ਫੁਨ੍ਯਵੀ ਵਝਫ ਸੇ ਰਨ੍ਝਿਸ਼ ਰਖਤੇ ਹੈਂ ਝਰਮਾਤਾ ਹੈ, ਈਨ ਕੋ ਰਫਨੇ ਏ. ਝਭ  
 ਤਕ ਆਪਸ ਮੈਂ ਸੁਫਫ ਨ ਕਰ ਲੇਂ. ਐਕ ਫੂਸਰੇ ਕੇ ਫੁਕੂਕ ਅਫਾ ਕਰ ਫੇਂ ਯਾ ਮੁਆਝ  
 ਕਰਾ ਲੇਂ ਕੇ ਭਿ ਈਝ੍ਝਿਨਫੀ ਤਆਲਾ ਫੁਕੂਕੁਫ ਈਭਾਫ ਸੇ ਸਫਾਈਝੇ ਆ'ਮਾਲ  
 (ਯਾ'ਨੀ ਆ'ਮਾਲ ਨਾਮੇ) ਖਾਲੀ ਫੋ ਕਰ ਭਾਰਗਾਫੇ ਈਝ੍ਝਤ **عَزَّوَجَلَّ** ਮੈਂ ਪੇਸ਼  
 ਫੇਂ. ਫੁਕੂਕੇ ਮੌਲਾ ਤਆਲਾ ਕੇ ਲਿਯੇ ਤੌਭਐ ਸਾਫਿਕਾ ਕਾਝੀ ਹੈ.  
**أَتَأْتُبُ مِنَ الذَّنْبِ كَمَنْ لَا ذَنْبَ لَهُ** (ਯਾ'ਨੀ ਗੁਨਾਫ ਸੇ ਤੌਭਾ ਕਰਨੇ ਵਾਲਾ  
 ਐਸਾ ਹੈ ਝੈਸੇ ਓਸ ਨੇ ਗੁਨਾਫ ਕ੍ਰਿਯਾ ਫੀ ਨਫੀ) ਐਸੀ ਫਾਲਤ ਮੈਂ ਭਿ ਈਝ੍ਝਿਨਫੀ  
 ਤਆਲਾ ਝੜਰ ਈਸ ਸਭ ਮੈਂ ਓਮ੍ਮੀਫੇ ਮਝਿਝਰਤੇ ਤਾਮਮਫ ਹੈ ਭ ਸ਼ਰ੍ਫੇ ਸਿਫੁਫਤੇ  
 ਅਕੀਫਾ. **وَهُوَ الْعَفُوفُ الرَّحِيمُ**. ਯੇਫ ਸੁਨਨਤੇ ਮੁਸਾ-ਲ-ਫਤੇ ਈਖਵਾਨ (ਯਾ'ਨੀ  
 ਭਾਈਯੋਂ ਮੈਂ ਸੁਫਫ ਕਰਵਾਨਾ) ਵ ਮੁਆਝਿਯੇ ਫੁਕੂਕ ਭਿ ਫਮ੍ਫਿਫੀ ਤਆਲਾ  
 ਯਫਾਂ ਸਾਲਫਾਐ ਫਰਾਝ ਸੇ ਝਾਰੀ ਹੈ. ਓਮ੍ਮੀਫ ਹੈ ਕੇ ਆਪ ਭੀ ਵਫਾਂ ਕੇ  
 ਮੁਸਲਮਾਨੋਂ ਮੈਂ ਈਝਰਾ ਕਰ ਕੇ

مَنْ سَنَّ فِي الْإِسْلَامِ سُنَّةً حَسَنَةً فَلَهُ أَجْرُهَا وَأَجْرُ مَنْ  
 عَمِلَ بِهَا إِلَى يَوْمِ الْقِيَامَةِ لَا يُنْقُصُ مِنْ أَجُورِهِمْ شَيْءٌ

(या'नी जो ईस्लाम में अच्छी राह निकाले उस के लिये ईस का सवाब है और कियामत तक जो उस पर अमल करें उन सब का सवाब हमेशा उस के नामसे आ'माल में लिखा जाये बगैर ईस के, के उन के सवाबों में कुछ कमी आये) के भिस्टाक. और ईस इकीर के लिये अइव व आइय्यते दारैन की दुआ इरमाये. इकीर आप के लिये दुआ करता है और करेगा. (إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ) सब मुसल्मानों को समजा दिया जाये के वहां न पाली ज़बान देपी जाती है न निज़ाक पसन्द है. सुलह व मुआफ़ी सब सख्ये दिल से हो. والسلام

इकीर अहमद रजा अज बरेली

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

मैं ने ईल्य़ास कादिरि को मुआइ किया

तमाम ईस्लामी भाईयों और ईस्लामी बहनों से दस्त बस्ता अर्ज करता हूं के अगर मैं ने नीज गुलाम जादों और निगरान व अराकीने मजलिसे शूरा में से जिस जिस ने आप में से किसी की गीबत की हो, तोहमत धरी हो, डांट पिलाई हो, किसी तरह से दिल आजारी की हो मुझे और उन्हें मुआइ मुआइ और मुआइ इरमा दीजिये.

जानो माल, अहलो ईयाल और ईज़्जत आबइ में दुन्या के अन्दर जो छोटे से छोटे और बडे से बडे लुकूकुल ईबाद (या'नी बन्दों के लुकूक) तसव्वुर किये जा सकते हैं, ईर्ज़ कीजिये के वोह लुकूक में ने, गुलाम जादों ने और निगरान व अराकीने शूरा ने आप के तलइ (या'नी जाअेअ) कर दिये हैं, उन तमाम लुकूक को जेहन में रभते हुअे हमारे सबब से तलइ शुदा लुकूक मुआइ मुआइ और मुआइ इरमा कर सवाबे अजीम के हकदार बनिये. हाथ बांध कर म-दनी ईस्तिजा है के कम अज कम अेक बार हिल की गहराई के साथ कल दीजिये : “मैं ने अद्लाह ﷻ के लिये मुहम्मद ईल्यास अत्तार कादिरी र-जवी, गुलाम जादों और निगरान व अराकीने शूरा को मुआइ किया.” हम सब ने भी हमारी तमाम छोटी बडी हक त-लइयां करने वालों को अद्लाह व रसूल मुआइ की भातिर मुआइ किया.

### कर्ज़ प्वाडों से म-दनी ईस्तिजा

जिस का मुज पर कर्ज़ आता हो या मैं ने कोई चीज आरिख्यतन ली हो और वापस न लौटाई हो तो वोह दा'वते ईस्लामी की मर्कज़ी मजलिसे शूरा के निगरान या गुलाम जादों से रुजूअ करे, अगर वुसूल करना नहीं चाहता तो अद्लाह ﷻ की रिज़ा के लिये मुआइ की भीक

સે નવાઝ કર સવાબે આખિરત કા હકદાર બને. બા'ઝ લોગ મેરે ભી મકરૂઝ હેં, ઉન કો મેં ને અપને તમામ ઝાતી કર્ઝે મુઆફ કિયે. યા ઈલાહી !

તૂ બે હિસાબ બખ્શ કે હેં બે શુમાર જુમ

દેતા હૂં તુઝ કો વાસિતા શાહે હિજાઝ કા

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

تُؤَبُّوْا إِلَيَّ اللَّهُ ! أَسْتَغْفِرُ اللَّهَ

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

તાલિબે ગમે મદીના

વ બકીઅ

વ મઝિરત



11 શા'બાનુલ મુઅઝ્ઝમ 1430 હિ.

3-8-2009

ગીબત હરામ ઓર જહન્નમ  
મેં લે જાને વાલા કામ હે.

હમ તો ગીબત કરેં ન સુનેં

એક યુપ સો સુખ